

*The House then adjourned at thirty-eight minutes past twelve of the clock.*

*The House re-assembled at two of the clock,*

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

**RE. DEMAND TO INCLUDE A DALIT PERSON IN THE JUDICIAL  
INQUIRY COMMITTEE — *Contd.***

**सुश्री मायावती:** माननीय उपसभापति जी, यह देश के 25 करोड़ दलितों के सम्मान की बात है। ...**(व्यवधान)**... हम केवल इस बात का जवाब चाहते हैं कि ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no; this is the time for the Short Duration Discussion. ...**(Interruptions)**... Yes, the Short Duration Discussion. ...**(Interruptions)**...

**सुश्री मायावती:** माननीय उपसभापति जी, यह देश के 25 करोड़ दलितों के सम्मान का मामला है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: This is the time for the Short Duration Discussion. ...**(Interruptions)**...

**श्री मुख्तार अब्बास नकवी:** सर, आपने शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन के लिए कॉल किया है। आप उस मेम्बर को कॉल कीजिए, जो शॉर्ट ड्यूरेशन डिस्कशन में पार्टिसिपेट करना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... अगर अपोजिशन के लोग पार्टिसिपेट नहीं करना चाहते हैं, then our Members are ready to start the discussion. ...**(Interruptions)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, the Short Duration Discussion. ...**(Interruptions)**... Shri Sitaram Yechury. ...**(Interruptions)**... Shri Sitaram Yechury to start the discussion. ...**(Interruptions)**...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI : Our Members are ready to start the discussion. Please call the next Member. ...**(Interruptions)**... सर, ऐसे हाउस नहीं चलेगा। ...**(व्यवधान)**... सर, आप मेम्बर्स को कॉल कीजिए। अगर कांग्रेस पार्टी के लोग डिस्कशन के लिए तैयार नहीं हैं, कांग्रेस के लोग केवल ड्रामा करना चाहते हैं तो हमारे मेम्बर्स बोलने के लिए तैयार हैं, आप कॉल कीजिए। ...**(व्यवधान)**... सर, टाइम खराब मत कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** सतीश जी, मैं जवाब देने के लिए तैयार हूँ, लेकिन जवाब सुनने के लिए तैयार नहीं हैं। ...**(व्यवधान)**... आप हमारा जवाब सुनिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI : Sir, I am requesting you to please call the next speaker. ...**(Interruptions)**... Where is Mr. Sitaram Yechury, where is Mr. Ghulam Nabi Azad and where is Mr. Anand Sharma? Sir, you call them. आप केवल अपने नाम लिस्ट में छपवाने के लिए यहां हैं? आपके नाम छपे हुए हैं, आप स्टार्ट कीजिए। ...**(व्यवधान)**... Where is Mr. Sitaram Yechury? Where is Mr. Ghulam Nabi Azad? ...**(Interruptions)**... Where is Mr. Anand Sharma? Sir, please start the discussion. ...**(Interruptions)**... Please start the discussion; otherwise, I am requesting you to please call our Member, Shri Bhupender Yadav. ...**(Interruptions)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Shrimati Smriti Zubin Irani. ...(Interruptions)...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** सतीश जी आप अपने सवाल कीजिए मैं जवाब देने के लिए तैयार हूँ। ...(व्यवधान)... Sir, I beg of you to start the discussion right now. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Minister is ready for discussion. Why don't you allow the discussion? ...(Interruptions)...

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: Sir, I am ready with the answers. मैं जवाब देने के लिए तैयार हूँ। आप जवाब सुनने का माद्दा रखिए, सतीश जी। ...(व्यवधान)... यहां डिस्कशन शुरू कीजिए, दूध का दूध, पानी का पानी हो जाएगा। ...(व्यवधान)... आप लोग अगर बहस करते हैं, तो मैं जवाब देने के लिए तैयार हूँ। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, I request the shouting Members to go back to their seats. The Minister said they are ready for discussion. ...(Interruptions)... Why don't you allow the discussion? Please allow the discussion. ...(Interruptions)... Please allow the discussion. The Minister is ready for replying. ...(Interruptions)... Shri C.P. Narayanan. ...(Interruptions)... Shri C.P. Narayanan. ...(Interruptions)...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** मायावती जी, मैं आग्रह करती हूँ, अगर न्याय चाहिए, अगर जवाब चाहिए, तो मैं तैयार हूँ। मैं विनम्र निवेदन करती हूँ। आप मुझसे वरिष्ठ हैं, महिला हैं। अगर आप मेरा जवाब चाहती हैं, तो मैं जवाब देने के लिए तैयार हूँ। आपकी जो जो मांगें हैं, मैं सुबह से सुन रही हूँ। ...(व्यवधान)...

**सुश्री मायावती:** आप केवल अपनी बात कहे जा रही हैं। ...(व्यवधान)...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** अगर आप मेरे जवाब से संतुष्ट न हों, तो मायावती जी, आज मैं इस सभा में कहती हूँ, मैं आज बसपा के एक एक कार्यकर्ता और आपके नेताओं से कहती हूँ, सिर कलम करके आपके चरणों में छोड़ दूँगे, अगर आप मेरे जवाब से असंतुष्ट हों। ...(व्यवधान)...

**सुश्री मायावती:** मैं सरकार से केवल इतना जानना चाहती हूँ कि न्यायिक जांच कमिटी के जो आदेश किए गए हैं, उसमें दलित को रखना है या नहीं रखना है? आपको तकलीफ क्या हो रही है?

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** उस कमिटी में दलित थे, जिनके निर्णय को आप स्वीकार नहीं करते।

**सुश्री मायावती:** क्यों? ...(व्यवधान)...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** मायावती जी, आप यह कहना चाहती हैं कि यूनिवर्सिटी की जो जांच कमिटी बनी थी, उसमें दलित प्रोफेसर को co-opt किया गया था। ...(व्यवधान)... जो चीफ वार्डन था, वह खुद दलित है। आप उन्हें यह कहना चाहती हैं, that a citizen who is a Dalit is just a Dalit if Mayawatiji certifies him to be so! ...(Interruptions)... I want the discussion today, Sir. ...(Interruptions)... आप कहना चाहती हैं कि you are with 25 crore citizens, but not with 125 crore Indians? ...(Interruptions)...

**सुश्री मायावती:** फिर आपको बताने में क्या दिक्कत है? ...(व्यवधान)... आप जवाब दीजिए।  
...(व्यवधान)... ऐसे काम नहीं चलेगा। ...(व्यवधान)...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** सतीश जी, मैं जवाब दे रही हूँ। ...(व्यवधान)... आप में सुनने का माद्दा नहीं है। ...(व्यवधान)...

**सुश्री मायावती:** आप दलित विरोधी हैं, इसलिए जवाब नहीं दे रही हैं। ...(व्यवधान)...

**श्रीमती स्मृति जूबिन इरानी:** जवाब दीजिए, मायावती जी। जब कांग्रेस की सरकार का आप समर्थन कर रही थीं। ...(व्यवधान)... उस समय आपने दलितों का समर्थन क्यों नहीं किया? यह जवाब आप आज इस सदन में दीजिए। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I would request all of you to allow the discussion. Now, I would request you to allow the discussion. ...(Interruptions)... The Government will reply. ...(Interruptions)... The Government is saying they will reply to your points. ...(Interruptions)... Then, why don't you allow the discussion? ...(Interruptions)...

**सुश्री मायावती:** दलितों का शोषण हो रहा है। इसके लिए ये मिनिस्टर जिम्मेदार हैं  
...(व्यवधान)... इन्होंने\* है वहां लोगों को ...(व्यवधान)... इन्होंने दलितों को आत्महत्या के लिए  
\* है ...(व्यवधान)...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, please call the names. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Satish Misraji, please listen to the Leader of the House. ...(Interruptions)... Km. Mayawatiji, in the morning, everybody heard you in silence. Now, please listen to the Leader of the House. ...(Interruptions)...

**सुश्री मायावती:** उपसभापति महोदय, हम नेता सदन को सुनना चाहेंगे। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What are you doing? ...(Interruptions)... The Leader of the House wants to say something. ...(Interruptions)... Please listen to the Leader of the House. ...(Interruptions)... Please sit down. ...(Interruptions)...

**सदन के नेता (श्री अरुण जेटली):** उपसभापति महोदय, मैं सभी आदरणीय सदस्यों से आपके माध्यम से आग्रह करना चाहूंगा कि 2.00 बजे के लिए यह सारा विषय बहस के लिए निश्चित किया गया है, जिसमें सभी विषय आ सकते हैं और सरकार की तरफ से उत्तर भी आएगा। माननीय मायावती जी ने जो विषय उठाए हैं, उनके उत्तर भी निश्चित रूप से आएंगे, लेकिन जिन्होंने नोटिस दिया है, वे 2.00 बजे हाउस में नहीं हैं, यह एक विचित्र स्थिति है। ...(व्यवधान)...

**श्री गुलाम नबी आज़ाद:** मैं सदन में हूँ। ...(व्यवधान)...

†قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد) : میں سدن میں ہوں --- (مداخلت)---

\*Expunged as ordered by the Chair.

† Transliteration in Urdu script.

**श्री अरुण जेटली:** ठीक है। आज़ाद साहब हैं, लेकिन पहला नाम श्री सीताराम येचुरी जी का है। वे नहीं हैं।

**श्री गुलाम नबी आज़ाद:** यदि पहला माननीय सदस्य सदन में नहीं है, तो दूसरा प्रारम्भ कर सकता है।

†جناب غلام نبی آزاد: اگر پہلا مائتے سدن میں نہیں ہے، تو دوسرا شروع کر سکتا ہے۔

**श्री अरुण जेटली:** इसलिए उपसभापति जी, आप 2.00 बजे चर्चा शुरू करा दीजिए। आज़ाद साहब यहां पर हैं। वे चर्चा शुरू कर दें और जो बहन जी ने ईश्यूज उठाए हैं, उनका जवाब हम निश्चित रूप से देंगे। ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** उपसभापति महोदय, मैं माननीय वित्त मंत्री जी से सिर्फ यह जानना चाहती हूं कि जिस जांच कमेटी का गठन किया गया है उसमें केवल आप इतना बता दीजिए कि दलित आदमी को रखना है या नहीं?

**श्री अरुण जेटली:** देखिए, हर विषय का जो न्याय कर सके, वह कमेटी है। आप एक बार सरकार का उत्तर सुन लें ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** मैं माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री के बयान से बिलकुल सहमत नहीं हूं। ...**(व्यवधान)**...

**श्री अरुण जेटली:** यदि आप उत्तर से संतुष्ट न हों, तो हम उस विषय पर फिर चर्चा कर लेंगे। ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** हमें मंत्री महोदया को नहीं सुनना है। ...**(व्यवधान)**...

**श्री अरुण जेटली:** बहन जी, आप एक बार सरकार का पक्ष सुन लें। ...**(व्यवधान)**... बिना पक्ष सुने मंत्री जी को ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** उपसभापति महोदय, हम मंत्री जी को नहीं सुनना चाहते। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Allow the discussion. ...**(Interruptions)**...

**सुश्री मायावती:** महोदय, इन मंत्री में खराबी यह है कि ये गलत बोलती हैं और गलत तथ्यों को रखती हैं। ...**(व्यवधान)**...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Mr. Deputy Chairman, Sir, our Member, Shri Tarun Vijay, is ready to initiate the discussion. ...**(Interruptions)**... If Congress Party and Communist Party Members are not ready to initiate the discussion, our Member is ready to initiate the discussion. ...**(Interruptions)**... Please start the discussion. ...**(Interruptions)**...

† Transliteration in Urdu script.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, I am going to.... *...(Interruptions)...* I am going to start the discussion. *...(Interruptions)...* Misraji, discussion is on your own subject. *...(Interruptions)...* Then, why don't you allow it? *...(Interruptions)...* Shri Sitaram Yechury. *...(Interruptions)...* Shri Sitaram Yechury. *...(Interruptions)...* Nothing else will go on record. *...(Interruptions)...* Shri Sitaram Yechury to initiate the discussion. *...(Interruptions)...*

SHRI SITARAM YECHURY: Sir,...*...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You proceed. *...(Interruptions)...* Nothing else will go on record. *...(Interruptions)...*

SHRI SITARAM YECHURY: You stop this, Sir. *...(Interruptions)...* How can I proceed? *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Misraji, it is on the same subject you want *...(Interruptions)...* The Minister has assured you that she will reply. *...(Interruptions)...* It is a matter of only two hours. *...(Interruptions)...* After two hours, the Minister said that she would reply. Why don't you wait for two hours?

SHRI SATISH CHANDRA MISRA: \*\*

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI : He wants to deviate from the main topic. *...(Interruptions)...* It is evident before the entire nation that this charge is nothing but a political strategy. *...(Interruptions)...* It is nothing, but a political tool for them. *...(Interruptions)...* They are not interested in justice. *...(Interruptions)...* They are only interested in political *...(Interruptions)...*

श्री सतीश चंद्र मिश्रा: इन्होंने हाउस को\* करने की कोशिश की है। *...(व्यवधान)...* ये हाउस को\* कर रही हैं। सवाल क्या पूछा जा रहा है और जवाब क्या दे रही हैं? *...(व्यवधान)...* ये इस तरह से हाउस को\* कर रही हैं। *...(व्यवधान)...* ये इस तरह से attitude में *...(व्यवधान)...* इन्हें इस्तीफा देना चाहिए। *...(व्यवधान)...* इस तरह से काम नहीं चलेगा। *...(व्यवधान)...* The HRD Minister will have to resign. *...(Interruptions)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You want to scuttle such an important discussion. *...(Interruptions)...*

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: अगर ये डिस्कशन initiate करने के लिए तैयार नहीं हैं तो हमारा The National Waterways Bill, 2015 है *...(व्यवधान)...*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please allow this discussion. *...(Interruptions)...* It is an important discussion. *...(Interruptions)...* I am requesting the BSP Members;

---

\*\* Not recorded.

\* Expunged as ordered by the Chair.

I am requesting the shouting Members, let there be a discussion. ...(Interruptions)... You cannot say whatever you want. ...(Interruptions)... If you want a proper reply, please ...(Interruptions)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: इस बिल पर डिस्कशन कराइए। ...(व्यवधान)... आप कुछ तो कराइए। ...(व्यवधान)... आप इस पर डिस्कशन कराइए। ...(व्यवधान)... अगर इस विषय पर डिस्कशन नहीं होगा, अगर आज सीताराम येचुरी जी डिस्कशन को initiate नहीं करेंगे तो फिर डिस्कशन नहीं होगा। ...(व्यवधान)... यह कोई तमाशा है क्या? हम कहते हैं डिस्कशन करो, आप कहते हैं ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Yechury, you please start. ...(Interruptions)... What can I do in this? ...(Interruptions)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, the House is not in order. What can I do? ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I think, action will be taken. ...(Interruptions)... I will be forced to take action. ...(Interruptions)... I do not see any justification for this. ...(Interruptions)... Misraji, I will be forced to take action. ...(Interruptions)... I will have to expel them. ...(Interruptions)... No, wait for two hours. ...(Interruptions)... After this discussion. ...(Interruptions)... What is this? ...(Interruptions)... I am sorry. ...(Interruptions)... Irrational to the core. ...(Interruptions)... How can it be justified? ...(Interruptions)... This kind of shouting cannot be justified. ...(Interruptions)... It is not rational. ...(Interruptions)... The House is adjourned for fifteen minutes. ...(Interruptions)...

*The House then adjourned at thirteen minutes past two of the clock.*

*The House reassembled at twenty-seven minutes past two of the clock,*

MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Members, ...(Interruptions)...

सुश्री मायावती: माननीय उपसभापति जी ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, no, please. ...(Interruptions)... Please. Hon. Members, in the morning, hon. Member, Kumari Mayawati, has raised an important issue. The subject is very important, and she has demanded a reply from the Government. That is within her rights. But the same subject we are discussing, and the Government has assured that Government will reply after the discussion is over. The discussion is only for two-and-a-half hours. So, please wait for two-and-a-half hours and let us have the discussion. ...(Interruptions)...

सुश्री मायावती: माननीय उपसभापति जी, मेरा छोटा सा सवाल था ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No. Let me complete. ...*(Interruptions)*... Let me complete. ...*(Interruptions)*... Let me complete. ...*(Interruptions)*... My point is, see, there is no rationale in your demanding that the reply should be before the discussion. That is all that I am saying. How can the Chair accept that? The Chair cannot accept that. ...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** माननीय उपसभापति जी जे.एन.यू. और हैदराबाद यूनिवर्सिटी दोनों का मामला इम्पोर्टेंट है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I said, it is very important. ...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** इनके ऊपर अलग-अलग चर्चा होनी चाहिए थी। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I said, it is very important. ...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** इन दोनों मुद्दों को एक साथ चर्चा के लिए डाला है, इससे सरकार की नीयत साफ नज़र आती है कि रोहित वाले मामले को सरकार दबाना चाहती है। ...*(व्यवधान)*...

**श्री सतीश चंद्र मिश्रा:** यही बात है। ...*(व्यवधान)*...

**सुश्री मायावती:** इसीलिए हमने इस मामले को उठाया है। ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति:** आप सुनिए। मैं subject of discussion पढ़ूंगा। ...*(व्यवधान)*...

**सुश्री मायावती:** इन दोनों मामलों पर अलग अलग चर्चा होनी चाहिए। ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति:** आप सुनिए। मैं subject of discussion पढ़ूंगा। ...*(व्यवधान)*... The names are there. The names start from Shri Sitaram Yechury. ...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** उपसभापति जी, दोनों मामले कम इम्पोर्टेंट नहीं हैं। दोनों मामले अलग अलग लिए जाने चाहिए थे और आपने दोनों मामले मिला दिए। ...*(व्यवधान)*...

**श्री उपसभापति:** आप सुनिए, आप सुनिए। ...*(व्यवधान)*... एक मिनट सुनिए। The subject is, to raise a discussion on the situation arising in the Central Institutions of higher education with specific reference to Jawaharlal Nehru University and University of Hyderabad. इसीलिए यह आता है। ...*(व्यवधान)*... दोनों मामले आते हैं। ...*(व्यवधान)*...

**सुश्री मायावती:** उपसभापति महोदय, रोहित वाले मामले को सरकार दबाना चाहती है। ...*(व्यवधान)*... यह कांड पहले हुआ था, जे.एन.यू. का मामला बाद में आया है। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us have the discussion. ...*(Interruptions)*... Please cooperate. ...*(Interruptions)*... Let us have the discussion. ...*(Interruptions)*...

**पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री प्रकाश जावड़ेकर):** यह प्रस्ताव आपने दिया है। ...*(व्यवधान)*...

**सुश्री मायावती:** इन दोनों पर अलग अलग डिस्कशन होना चाहिए था। ...**(व्यवधान)**... इन पर अलग अलग डिस्कशन न करके इस मामले को ये दबाना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... इसलिए मजबूर होकर हमें यह मामला उठाना पड़ा है। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let us discuss. ...**(Interruptions)**...

**सुश्री मायावती:** इसके बारे में हम सरकार से जवाब चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... जो न्यायिक जांच कमेटी बैठी है ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति:** बहन जी, मेरा अनुरोध है कि आप cooperate कीजिए। ...**(व्यवधान)**... मेरा अनुरोध है कि आप cooperate कीजिए। ...**(व्यवधान)**... आप डिस्कशन होने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... Mr. Naqvi. ...**(Interruptions)**... Yes, Mr. Naqvi. ...**(Interruptions)**...

**श्री मुख्तार अब्बास नकवी:** सर, बहुत विनम्रता के साथ हमारा एक ही निवेदन है और हम बहुत ईमानदारी के साथ चाहते हैं कि ...**(व्यवधान)**... चाहे जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी का मुद्दा हो, हैदराबाद यूनिवर्सिटी का मुद्दा हो ...**(व्यवधान)**... या कोई और मुद्दा हो, हम उस पर डिटेल्ड डिस्कशन चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**... ऑनरेबल लीडर ऑफ द अपोजिशन बैठे हैं और दूसरे लीडर्स भी यहां हैं ...**(व्यवधान)**... डिस्कशन के लिए लिस्ट में जिन ऑनरेबल मेंबर्स के नाम हैं, हम चाहते हैं कि आप इस के अनुसार डिस्कशन शुरू कराइए। ...**(व्यवधान)**... ऑनरेबल मिनिस्टर यहां बैठे हैं, ऑनरेबल होम मिनिस्टर यहां बैठे हैं, वे intervene करेंगे ...**(व्यवधान)**... और जो भी माननीय सदस्यों के सवाल आएंगे, उनका वे जवाब देंगे। ...**(व्यवधान)**... अब अगर चर्चा को इस तरह से demolish करने की कोशिश होगी, तो यह ...**(व्यवधान)**... देश के लिए भी ठीक नहीं है और यह तरीका भी ठीक नहीं है। यह एक चीज है और दूसरी चीज ...**(व्यवधान)**... जिन ऑनरेबल मेंबर्स के नाम लिस्ट में हैं, वे चर्चा के लिए तैयार नहीं हैं, तो हमारी रिक्वेस्ट है कि ऑनरेबल नितिन गडकरी जी बैठे हुए हैं ...**(व्यवधान)**... दि नेशनल वाटरवेज बिल, 2015 ले लिया जाए ...**(व्यवधान)**... और इसे पास किया जाए। वे अगर चाहें तो इस पर कल चर्चा कर लें ...**(व्यवधान)**... महोदय, इनकी शिकायत चर्चा की है, चलिए आप चर्चा बाद में कीजिए। एक बिल ...**(व्यवधान)**... ले लीजिए और बिल पर चर्चा शुरू कर दीजिए। हमारा यह कहना है कि कुछ तो कीजिए, कुछ काम तो करिए। ...**(व्यवधान)**... आखिर कुछ काम तो हो जाए। सर, आप से protection की अपील है। ...**(व्यवधान)**... सर, आप इस सदन के अधिकारों की रक्षा कीजिए और चर्चा कराइए। ...**(व्यवधान)**...

**श्री मेघराज जैन (मध्य प्रदेश):** सर, ये दलितों का हित नहीं चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**...

**शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बाबुल सुप्रियो):** आप डिस्कशन करें, आपको जवाब मिलेगा। ...**(व्यवधान)**...

SHRI V. P. SINGH BADNORE (Rajasthan): Sir, you cannot allow the House to be held to ransom. ...**(Interruptions)**... You cannot allow... ...**(Interruptions)**... You cannot do that. ...**(Interruptions)**... They are holding the House to ransom. ...**(Interruptions)**... They are holding the House to ransom. You cannot allow that. ...**(Interruptions)**...



MR. DEPUTY CHAIRMAN: I agree with you. They are holding the House to ransom; I agree with you. ...*(Interruptions)*... Mr. Sitaram Yechury, can you speak? ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, you may get this.....*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Nothing else will go on record. Mr. Yechury may speak. It would go on record. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, how do you expect me to speak? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I can hear you. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, you can hear me, but I want the whole House to listen. ...*(Interruptions)*... I am ready to speak. I have given the notice. But what do you want me to ...*(Interruptions)*... Maybe, you could give it one more try. You may give it one more try; you may persuade them. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak. ...*(Interruptions)*... I can hear him. ...*(Interruptions)*... बोलने दो। ...*(व्यवधान)*...

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): कल करा लीजिए। ...*(व्यवधान)*... यह डिस्कशन कल शुरू करा लीजिए। ...*(व्यवधान)*...

श्री उपसभापति: श्री शरद यादव। ...*(व्यवधान)*... शरद यादव जी को बोलने दो। ...*(व्यवधान)*... What are you doing? ...*(Interruptions)*... A senior Member wants to speak. ...*(Interruptions)*...

श्री शरद यादव (बिहार): सर जो परिस्थिति है, वह आपके सामने हैं। मैं सोचता हूँ कि जो के सदस्य हैं, ये इस सदन को नहीं चलने दे रहे हैं। इस स्थिति में कोई क्यों बोलेगा, इसलिए मैं समझता हूँ कि इसको कल के लिए रख लिया जाए। अभी सदन में कहा जा रहा है कि इस पर कल बहस हो। यदि इस पर कल बहस हो, तो ज्यादा अच्छा होगा।

श्री उपसभापति: कल बहस हो पाएगी, इसकी क्या गारंटी है? ...*(व्यवधान)*...

श्री शरद यादव: इन लोगों से बात कर ली है। ...*(व्यवधान)*... हमने इनसे बात कर ली है, ये कल बहस के लिए तैयार हैं। ...*(व्यवधान)*... इनसे बात हो गई है, ये कल के लिए तैयार हैं। ...*(व्यवधान)*... सर, इनसे बात हो चुकी है, ये कल के लिए तैयार हैं। ...*(व्यवधान)*...

श्री सीताराम येचुरी: मायावती जी से कहलवाइए। ...*(व्यवधान)*...

सुश्री मायावती: माननीय उपसभापति जी, जे.एन.यू और हैदराबाद यूनिवर्सिटी के दोनों मामले बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। अच्छा होता यदि इन दोनों मुद्दों पर अलग अलग चर्चा होती। जब मैंने आज के बिजनेस में यह देखा कि ये दोनों मुद्दे इकट्ठे ले लिए हैं, तो मुझे ऐसा लगा और हमारी पार्टी को ऐसा लगा कि इन दोनों मुद्दों को इकट्ठा लेने से रोहित वेमुला का मामला दब जाएगा। इसलिए हमें यह मामला मजबूरी में दलितों के हित में उठाना पड़ा। हमने इसके लिए कई बार स्थगन

प्रस्ताव का नोटिस भी दिया, इसलिए हमें यह मामला उठाना पड़ा। हमारी कोई ज्यादा बड़ी मांग नहीं है, हमने सरकार से केवल यही जानना चाहा है कि इस मामले के लिए जो न्यायिक जांच कमेटी बनी है, उसमें एक दलित को रखना बहुत जरूरी है। इस मामले में सरकार को 'yes' या 'no' में जवाब देना था, लेकिन इस मामले में केवल यह कहना कि अभी इस पर चर्चा होगी और डिटेल् में चर्चा होगी तथा दोनों मुद्दों पर इकट्ठा जवाब दिया जाएगा, तो इकट्ठे के मामले में पहली बात तो यह है कि इन दोनों मुद्दों पर चर्चा इकट्ठी न होकर, अलग-अलग चर्चा होनी चाहिए थी। अगर इन दोनों मुद्दों पर इकट्ठी चर्चा हो रही थी ...**(व्यवधान)**... तो हम सरकार से केवल जवाब चाह रहे थे कि इसके लिए न्यायिक जांच कमेटी में ...**(व्यवधान)**...

**श्री प्रकाश जावडेकर:** यह नोटिस किसने दिया है? ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** हमने केवल दलित के मामले पर अलग से नोटिस दिया था। ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति:** जावडेकर जी, प्लीज़। जो लिस्ट में नोटिस है, वह इकट्ठे का है। मैं क्या करूँ, मैं क्या करूँ?

**सुश्री मायावती:** हमने नोटिस नहीं दिया है। ...**(व्यवधान)**... हमने दलित प्रकरण के मामले में अलग से नोटिस दिया था कि हमारी पार्टी ही स्थगन प्रस्ताव ला रही है।

**श्री उपसभापति:** आपको दूसरा नोटिस देना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** सारे कार्य को रोककर, सारे बिजनेस को रोककर, इसके उपर चर्चा कराई जाए। ...**(व्यवधान)**... माननीय उपसभापति जी, मेरा यही कहना है कि ये दोनों मामले गम्भीर हैं, इसलिए मेरी आप से यह रिक्वेस्ट है कि इन दोनों मुद्दों पर अलग-अलग चर्चा कराई जाए, वैसे अंतिम निर्णय तो आपको ही लेना है। सरकार जब तक इस बारे में जवाब नहीं दे देती, हमें तसल्ली नहीं होगी। वैसे आज तो यह हाउस चलेगा नहीं। यदि आप चाहते हैं कि इस मामले को कल ले लें, तो हम कोऑपरेट करेंगे। ...**(व्यवधान)**... आज तो हम बिल्कुल भी नहीं चाहते कि इस पर बोलें।

**श्री उपसभापति:** आपको इसके लिए अलग से नोटिस देना पड़ेगा।

**सुश्री मायावती:** हम अलग से नोटिस देंगे। ...**(व्यवधान)**... हमने अलग से नोटिस दिया है। हमारे नोटिस को अस्वीकार ...**(व्यवधान)**... हमने अलग से नोटिस दिया है।

**श्री उपसभापति:** आपका नोटिस सस्पेंशन के लिए है, लेकिन यह नोटिस शॉर्ट ड्यूरेशन के लिए है। यदि आपको अलग डिस्कशन चाहिए, तो शॉर्ट ड्यूरेशन के लिए अलग से नोटिस देना पड़ेगा। ...**(व्यवधान)**...

**सुश्री मायावती:** हमने स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। ...**(व्यवधान)**... आप उसको स्वीकार करते, तो चर्चा हो जाती। ...**(व्यवधान)**...

**श्री उपसभापति:** मैं उसके बारे में डिसीज़न नहीं ले सकता। यह डिसीज़न तो चेयरमैन साहब को लेना है। I cannot take a decision on that.

**सुश्री मायावती:** कई बार ऐसे मामले आए हैं, जब स्थगन प्रस्ताव आया और उसके ऊपर चर्चा हुई है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, I will convey your suggestion...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** हम इसके लिए अलग से नोटिस देंगे, लेकिन इस मुद्दे के ऊपर अलग से चर्चा होनी चाहिए। यदि इस मुद्दे के ऊपर अलग से चर्चा होती है, तो हम हाउस को चलने देंगे।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: In that case, you will have to give a separate notice. आप दूसरा नोटिस दीजिए।

**सुश्री मायावती:** यह तो एक अलग चीज है, लेकिन जो न्यायिक जांच कमिटी बनी है, उसका जवाब तो सरकार को देना चाहिए कि न्यायिक जांच कमिटी में दलित को रखना है या नहीं रखना है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: See, I can give you a way-out.

**सुश्री मायावती:** पहले यह जवाब दें, नोटिस तो सेकंडरी चीज है।

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, I want to say ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay, Sitaram Yechuryji.

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, my request to Behenji is that we fully support the sentiments which she has raised and we are fully with them on the question of a dalit issue, as far as Hyderabad Central University is concerned. Now, the notice has come where you have both of them together.

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Who has given the notice? ...*(Interruptions)*... Who has given the notice?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, Mr. Javadekar, why do you interrupt? ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Who has given the notice? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: They have given. ...*(Interruptions)*... That is correct. You sit down. ...*(Interruptions)*... They have given. That is clear. Why do you say that? ...*(Interruptions)*... सुनिए, ...**(व्यवधान)**... मुझे सुनने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... Now, what is this? ...*(Interruptions)*... मुझे सुनने दीजिए। ...**(व्यवधान)**... I will have to take action. ...*(Interruptions)*... मुझे सुनने दीजिए। ...**(व्यवधान)**...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, I will ask hon. Ministers to please behave like Ministers. We are trying to find a solution. Don't be a rabble-rouser. ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, I have a point of order. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Don't be a rabble-rouser. I am suggesting, Sir ...*(Interruptions)*... I have given this ...*(Interruptions)*...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, I have a point of order.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; let him complete. He is on his legs. I am not allowing you. ...(Interruptions)... Let him complete. You sit down. I am not allowing you.

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him complete. He is already speaking. Because you are a Minister, can you interrupt anybody? No. Don't do that. Okay, Mr. Yechury.

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, I have given this notice. I have put both these Universities together. The point, which Behenji is raising, is of great merit, which I fully support. So, I am saying that if they are exercised today, and they do not want the discussion today, then I am requesting you and them — we have also spoken to Behenji — to postpone this discussion for tomorrow. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No, Yechuryji ...(Interruptions)... She wants a separate discussion. ...(Interruptions)... She is saying ...(Interruptions)...

SHRI SITARAM YECHURY: I will tell you. ...(Interruptions)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let me solve it. ...(Interruptions)... Let me solve it. ...(Interruptions)... Yes, only the Minister will speak. ...(Interruptions)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, let me complete. ...(Interruptions)...

श्री वी. पी. सिंह बदनौर: इसे आज ले लीजिए ना ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Tarun Vijay, sit down. ...(Interruptions)...

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: सर, आज Short Duration Discussion में जेएनयू और हैदराबाद का इश्यू लगा हुआ था। उस मुद्दे पर मुख्य रूप से जितनी भी पार्टियां हैं, उनके सदस्यों ने नोटिस दिया था। आपने अभी कॉल किया। इसमें मायावती जी का यह सुझाव है कि इस डिस्कशन को कल के लिए बढ़ा दिया जाए। यह एक चीज है, ठीक है, लेकिन इस बात को ...(व्यवधान)...

सुश्री मायावती: लेकिन हमारा जवाब तो दे दीजिए कि जो न्यायिक जांच कमिटी है, उसमें दलित को रखना है या नहीं रखना है। पहले इसका तो जवाब दे दीजिए।

श्री मुख्तार अब्बास नकवी: एक मिनट, एक मिनट। सीताराम जी का कहना है कि वे मायावती जी की बात से सहमत हैं। मुझे मालूम नहीं है कि लीडर ऑफ द अपोज़िशन का क्या मत है। अगर इस डिस्कशन को कल के लिए बढ़ाया जा रहा है, तो अभी सदन के पास बहुत समय है, हमारी रिक्वेस्ट है कि एक बिल ले लीजिए और वह बिल already listed है। उस बिल पर डिस्कशन करिए। ...(व्यवधान)...

सुश्री मायावती: हम आज कोई बिल नहीं आने देंगे। पहले आप यह जवाब दे दीजिए कि न्यायिक जांच कमिटी में दलित को रखना है या नहीं रखना है।

**श्री मुख्तार अब्बास नकवी:** आप लेजिस्लेटिव काम भी नहीं होने देंगे, आप political discussion भी नहीं करेंगे, तो ऐसे कैसे काम चलेगा?

**श्री सीताराम येचुरी:** सर, मेरा एक ही सुझाव है। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: What is your suggestion?

**श्री सीताराम येचुरी:** सर, मेरा एक ही सुझाव है कि इन्होंने एक जायज मांग उठाई है कि जांच कमिटी में एक दलित की सदस्यता होगी कि नहीं। अब उसका जवाब चाहिए। ...*(व्यवधान)*... आप बताएं। ...*(व्यवधान)*...

**सुश्री मायावती:** आपके दिल में पाप है, इसलिए आप नहीं बताना चाह रहे हैं। ...*(व्यवधान)*...

**श्री सीताराम येचुरी:** सर, सुनिए, मेरा यह कहना है कि अगर ...*(व्यवधान)*...

**श्री मुख्तार अब्बास नकवी:** कल जब मिनिस्टर रिप्लाय करेंगी, ...*(व्यवधान)*... कल जब मिनिस्टर रिप्लाय करेंगी ...*(व्यवधान)*... पूरी डिबेट के conclude होने के बाद जब मिनिस्टर रिप्लाय करेंगी, तो वे बताएंगी। वे कहां मना कर रही हैं कि वे नहीं बताएंगी? लेकिन वे अभी कैसे बताएंगी? क्या आप अभी इस बहस को conclude कर रहे हैं? ...*(व्यवधान)*... If you are ready to conclude this debate, definitely, we will reply. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: How can we do that? We have not even begun. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Yechury, actually, the problem is... ...*(Interruptions)*... I agree... ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, one minute. ...*(Interruptions)*... Please listen to me for a minute. ...*(Interruptions)*... Why can't the Government say that at the conclusion of the debate on this issue, they will answer? Why can't they say so?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is what they said. ...*(Interruptions)*... They have said it. ...*(Interruptions)*...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Sir, at the conclusion of this debate, the Minister will reply, and, the Minister will say whatever is the ...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** आज जवाब देने में क्या दिक्कत है? ...*(व्यवधान)*...

**श्री वी. पी. सिंह बदनौर:** यह कोई तरीका थोड़े ही है जवाब लेने का? ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. ...*(Interruptions)*... Hon. Leader of the Opposition wants to say something. ...*(Interruptions)*...

**सुश्री मायावती:** सर, आज जवाब देने में दिक्कत क्या है? हमारा केवल एक छोटा सा सवाल है कि दलित को रखना है या नहीं रखना है? आप इसका केवल "हां" या "ना" में जवाब दें। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Leader of the Opposition, what is your suggestion? ...*(Interruptions)*... Mr. Ghulam Nabi Azad, please speak. ...*(Interruptions)*...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: आप कह दीजिए कि आज इस डिबेट को conclude कर रहे हैं, अभी वे जवाब दे रही हैं। ...*(व्यवधान)*... इसके बाद यह डिबेट नहीं ...*(व्यवधान)*... She is ready to give reply. ...*(Interruptions)*... If you want to conclude this debate... ...*(Interruptions)*... We are ready to debate. ...*(Interruptions)*... This is not the way. If you are not interested in debate... ...*(Interruptions)*...

श्री सतीश चंद मिश्रा: आप क्या बात कर रहे हैं? चर्चा क्यों नहीं होगी? ...*(व्यवधान)*...

श्री आनन्द शर्मा (राजस्थान): आप ऐसा नहीं कह सकते कि डिबेट नहीं होगी। डिबेट होगी ...*(व्यवधान)*... डिबेट होगी, पूरा देश इसे सुनना चाहता है। ...*(व्यवधान)*...

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI: Then, why are you not participating? You don't want to participate, and, therefore, disturbance is there. ...*(Interruptions)*... We will not allow you to disturb the House. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Hon. Leader of the Opposition, what is your suggestion?

श्री गुलाम नबी आज़ाद: सर, मायावती जी ने जो मुद्दा उठाया है, उससे हम सहमत हैं, कि हैदराबाद यूनिवर्सिटी में जिस तरह से रोहित को आत्महत्या करनी पड़ी, वह एक नेशनल ईश्यू है। हम उसको किसी तरह से dilute नहीं होने देंगे और न करना चाहते हैं। ...*(व्यवधान)*...

قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد): سر، مایاوتی جی نے جو مدعہ اٹھایا ہے، اس سے ہم سہمت ہیں کہ حیدرآباد یونیورسٹی میں جس طرح سے روہت کو خودکشی کرنی پڑی، وہ ایک نیشنل ایشو ہے۔ ہم اس کو کسی طرح سے dilute نہیں ہونے دیں گے اور نہ کرنا چاہتے ہیں۔۔۔*(مدخلات)*...

सुश्री मायावती: लेकिन यह इनका तरीका ठीक नहीं है। ...*(व्यवधान)*...

श्री गुलाम नबी आज़ाद: सुनिए, सुनिए। हम उस पर जरूर डट कर बहस करेंगे, लेकिन इस बीच में जेएनयू का भी मुद्दा आया। हम बहुत खुश होंगे, अगर सरकार मानती है कि दोनों यूनिवर्सिटीज का डिस्कशन अलग अलग हो, तो बहुत अच्छा होगा। अगर सरकार यह कहती है कि आज हम हैदराबाद यूनिवर्सिटी का करेंगे, कल जेएनयू का करेंगे, तो आप अभी इसी वक्त बहस करवा दीजिए। ...*(व्यवधान)*...

† Transliteration in Urdu script.

†جناب غلام نبی آزاد: سنیئے، سنیئے۔ ہم اس پر ضرور ڈٹ کر بحث کریں گے، لیکن اس بیچ میں جے این یو کا بھی مدعہ آیا۔ ہم بہت خوش ہونگے، اگر سرکار مانتی ہے کہ دونوں یونیورسٹیز کا ڈسکشن الگ الگ ہو، تو بہت اچھا ہوگا۔ اگر سرکار یہ کہتی ہے کہ آج ہم حیدرآباد یونیورسٹی کا کریں گے، کل جے این یو کا کریں گے، تو آپ ابھی اسی وقت بحث کروادیجئے۔۔۔(مدخلت)۔۔۔

श्री सतीश चंद मिश्रा: पहले जवाब तो दे दें।

श्री गुलाम नबी आज़ाद: बहस करवा दीजिए। हमें कोई आपत्ति नहीं, लेकिन हम यह नहीं चाहेंगे कि बहस न हो। ... (व्यवधान)...

†جناب غلام نبی آزاد: بحث کروادیجئے۔ ہمیں کوئی اعتراض نہیں ہے، لیکن ہم یہ نہیں چاہیں گے کہ بحث نہ ہو۔۔۔۔۔(مدخلت)۔۔۔

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: फ्रेश नोटिस देना पड़ेगा। आप सीनियर लीडर हैं, लीडर ऑफ द अपोज़िशन हैं। आप जानते हैं, आपको फ्रेश नोटिस देना पड़ेगा। ... (व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, Mr. Javadekar. ... (Interruptions)...

SHRI PRAKASH JAVADEKAR: Sir, I have a point of order. ... (Interruptions)...

Sir, Shri Sitaram Yechury, Shri C. P. Narayanan, Shri Tapan Kumar Sen, Shri T. K. Rangarajan, Shri K. C. Tyagi, Dr. Bhalchandra Mungekar, Shrimati Rajani Patil, Shri Ghulam Nabi Azad, Shri Anand Sharma, Shri Prem Chand Gupta, Shri D. Raja, Shri Vijay Goel, Shri Bhupender Yadav, Shri M.J. Akbar, Shri Bhupinder Singh, Dr. K. Keshava Rao, Shri Husain Dalwai, Shri Mohd. Ali Khan, Shri K. N. Balagopal, इन सभी मेम्बर्स ने दो विषयों को एक किया है, हमने नहीं किया। जब उन्होंने ऐसा नोटिस दिया है, तो फिर दोनों विषयों पर अलग चर्चा करो, कैसे Without giving notice, how can they say so? That is my point.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It is not possible. There should be a notice. ... (Interruptions)...

Mr. Javadekar, I have already said that there is no notice. There should be a separate notice. Then only can it be done. I have said that. I have already said that. ... (Interruptions)...

What to do now? Mr. Yechury... ... (Interruptions)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, this situation has come... ... (Interruptions)...

Sir, this situation has come with the raising of one question by Behenji, Mayawatiji, and, the question is : Will the Government appoint a Dalit on the

† Transliteration in Urdu script.

Judicial Enquiry Committee? That is all that has been asked. ...*(Interruptions)*... That is all that has been asked. All this — together, separate — is extraneous. You have a motion before you and there should be a discussion on that.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती: हम पहले इसका जवाब चाहते हैं। ...*(व्यवधान)*...

SHRI SITARAM YECHURY: And, the demand that they have raised is also correct. Let the Government respond to it. That is a simple point, and, I do not see anything wrong. If you are going to appoint a Judicial Enquiry Committee, why can't you say that you will have a *Dalit* on it?

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yechuryji, ...*(Interruptions)*... Let me complete. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, why can't they say? ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will explain to you. ...*(Interruptions)*... Now, please ...*(Interruptions)*...

SHRI ANAND SHARMA: Sir, the House must conduct the Business after this issue is settled. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yechuryji, the problem is ...*(Interruptions)*... Yechuryji, I told you, Behenji, has raised an important issue. It is for the Government to take a decision on that and reply or not. ...*(Interruptions)*... As far as I am concerned, the agenda is before me. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: You are right, Sir. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती: सर, मेरा छोटा-सा ही सवाल है। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I will go by the agenda. ..*(Interruptions)*..

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, you are right. ..*(Interruptions)*..

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is what I am saying.

SHRI SITARAM YECHURY: I am asking you, go by the agenda, but she has raised a demand with them.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is for the Government.

सुश्री मायावती: इतना छोटा सा रिप्लाय करने में आपको क्या दिक्कत है? ...*(व्यवधान)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Yes; let them say 'yes', 'no' or whatever it is, and you continue with the business.



MR. DEPUTY CHAIRMAN: But the Government is saying they will reply after the discussion is over. ...*(Interruptions)*... In that reply, she will also reply to this point. ...*(Interruptions)*... That is what that Government is saying.

SHRI SITARAM YECHURY: Yes, that is the Government's position. They are not agreeing to that. ..*(Interruptions)*..

श्री आनन्द शर्मा: आप अभी यह तय करें। ...*(व्यवधान)*...

SHRI SITARAM YECHURY: So, now Behenji, has said that we can take up this issue, even though they disagree, tomorrow. She has said that. ...*(Interruptions)*...

सुश्री मायावती: आप पहले इस बात को तय कर दें कि न्यायिक जांच कमेटी में दलित को रखना है या नहीं रखना है? ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That means Behenji is suggesting. ...*(Interruptions)*...

श्री आनन्द शर्मा: इस चर्चा को पूरा देश देख रहा है। आप इसे अभी तय करें। ...*(व्यवधान)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; let me understand. ...*(Interruptions)*... Let me understand. ...*(Interruptions)*... That means, Behenji is suggesting that this discussion may be postponed to tomorrow. ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: Sir, is it the contention of the senior Members of this House that a Judge belonging to a particular community. ...*(Interruptions)*... My request is only this. I have time and again said since I entered the House this morning, I am willing to answer every question which is posed to me. Either they decide which question they want to ask, or ask it. ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, we will ...*(Interruptions)*...

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: Allow me to finish, Yechuryji.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, please let her complete.

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: My question to the senior Members of this House is this. Be it Mr. Yechury or Behenji, my question is this. Are we signaling to the nation, Sir, that a judge is in a capacity... ...*(Interruptions)*... Allow me to finish it, Sir. ...*(Interruptions)*... Are we saying to this country that a judge's capacity to deliver justice will depend on his caste now, Sir? ...*(Interruptions)*... Are we saying that a particular judge is to be demeaned because of the caste he belongs to? ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, they have ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: About your suggestion to have it tomorrow, what Behenji is saying ...*(Interruptions)*...

SHRI SITARAM YECHURY: One thing I want to say is, they have sent the signals they want to send. Don't bring in all these extraneous things here. Now, the point is, we will discuss that ..(*Interruptions*)..

सुश्री मायावती: क्या दलितों के मामले में भी सिग्नल चाहिए? ...(व्यवधान)... हमने केवल यही पूछा है कि जो न्यायिक जांच कमेटी है, उसमें दलित को रखना है या नहीं रखना है? ...(व्यवधान)... यदि दलितों के प्रति आपकी नीयत साफ है, तो आपको बता देना चाहिए कि रखना है। ...(व्यवधान)... इसमें दिक्कत क्या है? ...(व्यवधान)...

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): What is the problem?

सुश्री मायावती: मुझे लगता है कि अगर माननीय प्रधान मंत्री जी यहां होते, तो वे मेरी बात से एग्री होते और तुरन्त तैयार हो जाते कि रखना है। ...(व्यवधान)... वे इसके लिए जरूर तैयार हो जाते, लेकिन पता नहीं ये लोग कैसे डरे हुए हैं? ...(व्यवधान)... इनको सिग्नल चाहिए, सिग्नल। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay. Now let us come to the discussion. ...(*Interruptions*)... Could we postpone it to tomorrow or not?

सुश्री मायावती: इसका मतलब यह है कि आज माननीय प्रधान मंत्री जी ने इनको सिग्नल नहीं दिया है। यदि ऐसा है तो उनकी नीयत भी साफ नहीं हैं। ...(व्यवधान)... वे नहीं चाहते हैं कि न्यायिक जांच कमेटी में दलित रहना चाहिए। ...(व्यवधान)... न तो प्रधान मंत्री जी की नीयत साफ है और न उनके चेले-चपाटों की नीयत साफ है, जो इधर बैठे हुए हैं। ...(व्यवधान)... जो मंत्री लोग इधर बैठे हुए हैं ...(व्यवधान)...

SHRIMATI SMRITI ZUBIN IRANI: Sir, I strongly object ...(*Interruptions*)... बहन जी ने जो शब्द यूज किया है, वह ठीक नहीं है।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned up to 3.30 p.m.

*The House then adjourned at fifty-four minutes past two of the clock.*

*The House reassembled at thirty minutes past three of the clock,*  
[THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V.P. SINGH BADNORE) in the Chair.]

...(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. P. SINGH BADNORE): The House stands adjourned for another fifteen minutes.

*The House then adjourned at thirty minutes past three of the clock.*

*The House reassembled at forty-five minutes past three of the clock,*

MR. DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

---